VOL- XI ISSUE- XI NOVEMBER 2024 PEER REVIEW e-JOURNAL IMPACT FACTOR 8.02 ISSN 2349-638x

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस और आजाद हिन्द फौज

ममता गाबा
सहायक आचार्य
राजकीय महाविद्यालय, हिन्दूमलकोट

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस एक उग्र राष्ट्रवादी थे। उन्हें भारतीय इतिहास के सबसे महान स्वतंत्रता सेनानियों में से एक माना जाता है।

सुभाषचन्द्र बोस का जीवन परिचयः-

जन्म - २३ जनवरी १८९७ को वर्तमान ओडिश के कटक में
माता - प्रभावती दत्त
पिता - जानकीनाथ बोस प्रतिष्ठित वकील थे ।
स्कूली शिक्षा- रेवेनशां कालेजिएट स्कूल प्रेसीडेंसी कॉलेज, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय
इण्डियन सिविल सर्विस- १९२० में चौथा स्थान प्राप्त किया
१९२१ में त्याग-पत्र दे दिया।

स्वामी विवेकानन्द से सुभाषचन्द्र प्रभावित थे और उदन्कें अपना आध्यात्मिक गुरू मानते थे। जबकि देशबन्धु चितरंजन दास उनके राजनीतिक गुरू थे।

सुभाषचन्द्र १९२१ में पहली बार जेल गए। जेल से रिहा होने के बाद उन्होंने पहली बार बांग्लार कथा नामक अखबार का सम्पादन किया।

सुभाषचन्द्र बोस का स्वतंत्रता संग्राम में योगदानः-

सुभाषचन्द्र बोस सी.आर. दास के साथ राजनीतिक गतिविधियों में संलग्न थे। सी.आर.दास ने नेताजी को नेशनल कॉलेज का प्रिंसीपल नियुक्त किया। जब सी.आर.दास कलकत्ता के महापौर बने तो बोस को उन्होंने मुख्य कार्यकारी नामित किया। बोस ने देशबंधु के अखबार फारवर्ड का सम्पादन किया।

लेकिन १९२४ में सरकारी नीतियों के विरोध में गिरफ्तारी देकर मुख्य कार्यकारी अधिकारी का पद छोड़ दिया।

१९२५ में उन्हें गिरफ्तार कर माण्डले निर्वासित किया। वहां उनका स्वास्थ्य बिगड़ गया और १९३० ई. में वे स्वास्थ्य लाभ हेतु डलहौजी चले गए।

१९३० ई. में सुभाषचन्द्र बोस कलकत्ता के महापौर चुने गए। इन्हें स्वास्थ्य लाभ के लिए युरोप जाना पड़ा।

कांग्रेस अध्यक्ष :- बोस वर्ष १९३८ में हरिपुरा अधिवेशन में अध्यक्ष चुने गए।

१९३९ में त्रिपुरी में गाँधी जी के उम्मीदवार सीतारैमया के खिलाफ अध्यक्ष पद का चुनाव जीता।

गाँधी जी से वैचारिक मतभेद के कारण बोस ने अध्यक्ष पद से त्याग-पत्र दे दिया।

२९ अप्रैल १९३९ को बोस जी ने कांग्रेस छोड़ दी।

सुभाषचन्द्र बोस ने ३ मई १९३९ को फारवर्ड ब्लॉक की स्थापना की। सरकार ने इन्हें गिरफ्तार कर लिया।

आजाद हिन्द फौज :-१७ जनवरी १९४१ को सुभाषचन्द बोस अपने साथ भगतराम के साथ कलकत्ता से गायब हो गए तथा काबुल होते हुए रूस पहुँचे ।

उन्होंने इटालियन पासपोर्ट पर काबुल से मास्को व बर्लिन की यात्रा की।

जर्मनी में भारतीयों द्वारा सुभाषचन्द्र बोस को नेताजी की उपाधि दी गई। वहां बोस जी ने फ्री इण्डिया सेंटर की स्थापना की। पहली बार सुभाषचन्द्र बोस ने ''जय हिंद'' का नारा दिया।

सुभाष जर्मनी को यू बोट पनडुब्बी से जर्मनी से जापान के लिए रवाना हुए। १९४३ में मत्सूदा नाम से जापान पहुँचे ।

जून १९४३ में रासबिहारी बोस की अध्यक्षता में इंडियन इंडिपेन्डेंस लीग का बैकांक में एक ओर सम्मेलन बुलाया जिसमें सुभाषचन्द्र बोस को लीग व आजाद हिन्द फौज का नेतृत्व सौंपने का निर्णय लिया गया।

४ जुलाई १९४३ को रासबिहारी बोस ने सिंगापुर में आजाद हिन्द फौज (ण्छण्।ण्) की कमान सुभाषचन्द्र बोस को सौंप दी।

इसी समय सुभाषचन्द्र बोस ने " दिल्ली चलो एवं जय हिन्द " का नारा दिया।

५ जुलाई १९४३ को बोस ने आजाद हिन्द फौन का पुनर्गठन किया।

सिंगापुर में सुभाषचन्द्र बोस ने २१ अक्टूबर १९४३ को स्वतंत्र भारत की अस्थाई सरकार" आजाद हिन्द सरकार" का गठन किया। जिसे जापान व जर्मनी सहित ९ राष्ट्रों ने अस्थाई सरकार की मान्यता दी।

६ नवम्बर १९४३ को जापानी सेना ने अंडमान और निकोबार द्वीप को जीतकर आजाद हिन्द फौन को सौंप दिया। सुभाषचन्द्र ने इनका नाम शहीद और स्वराज द्वीप रखा।

१८ मार्च १९४४ को आजाद हिन्द फौज के कर्नल शौकत मलिक ने भारतीय सीमा पार कर इम्फाल में भारतीय भूमि पर तिरंगा फहराया।

मई १९४५ में ब्रिटिश सेना ने रंगून पर पुनः अधिकार कर लिया। अतः आजाद हिन्द फौज को आत्मसमर्पण करना पड़ा।

१८ अगस्त १९४५ को सुभाषचन्द्र बोस की जापान शासित फार्मोसा (ताईवान) के एक विमान दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई।

<u>सुभाषचन्द बोस की आत्मकथा- ऑटोबायोग्राफी ऑफ इन इण्डियन पिलग्रिम</u>

इसमें जन्म से लेकर १९२० ई. में सिविल सेवा से त्याग-पत्र तक का वर्णन है। दूसरी आत्मकथा इण्डियन स्ट्रगल १९२० से १९४२ के बीच भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का विवेचन है।

नेताजी ने कहा था कि " इस नश्वर संसार में हर वस्तु नष्ट हो जाती है। किन्तु विचार, आदर्श और स्वप्न सदा अमर रहते हैं। "

संदर्भ ग्रंथः

१. क्रान्त, मदनलाल वर्मा (२००६) स्वाधीनता संग्राम के क्रांतिकारी साहित्य का इतिहास।
२. भारत का स्वतंत्रता संघर्ष - विपिनचन्द्र, मुदुला मुखर्जी, आदित्य मुखर्जी, क.नं. पानिकर, सुचेता महाजन
३. आधुनिक भारत- एल.पी. शर्मा
४. आधुनिक भारत का इतिहास (१७०७ ई. से आधुनिक काल तक) बी.एल. ग्रोवर, अलका मेहता।
५. आधुनिक भारत का इतिहास- रामलखन शुक्ल (हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय दिल्ली विश्वविद्यालय)